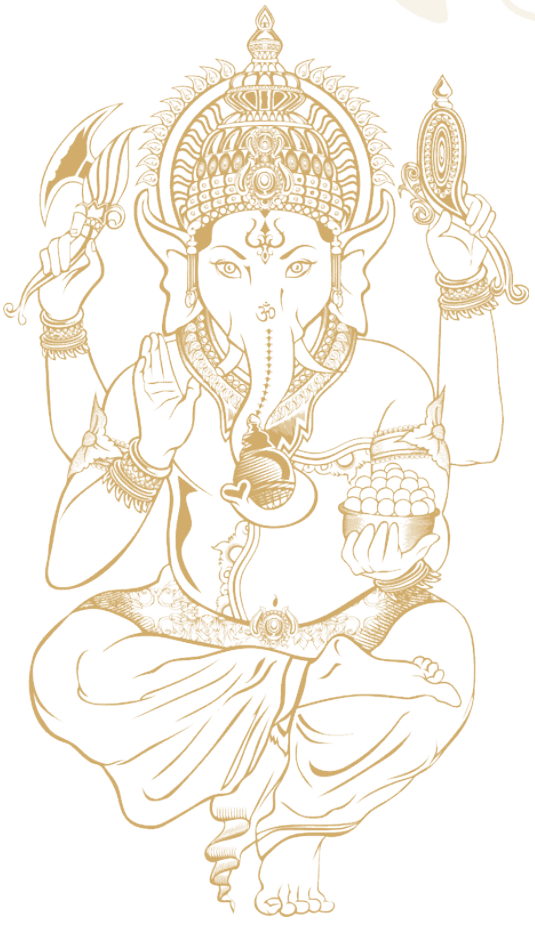

Mr.diyvam

18 Sep 2016

12:59 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119588802

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
18/09/2016	जन्म तिथि	**18/09/2025**
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 12:59:00	जन्म समय	20:09:03 घंटे
घटी 17:08:14	जन्म समय(घटी)	35:03:35 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:07:42	सूर्योदय	06:07:37
18:22:08	सूर्यास्त	18:22:21
24:05:20	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:03
वृश्चिक	लग्न	मेष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मीन	राशि	कर्क
गुरु	राशि-स्वामी	चन्द्र
रेवती	नक्षत्र	आश्लेषा
बुध	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	3
वृद्धि	योग	शिव
गर	करण	तैतिल
दो-दौलत	जन्म नामाक्षर	डे-डेम
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
गज	योनि	मार्जार
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	श्वान
9	गत/तत्कालिक वर्ष	10

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
ज्येष्ठा	4	29:57:02	वृश्चि			लग्न			मेष	09:59:19	3	अश्विनी
उ०फाल्गुनी	2	01:43:22	कन्या			सूर्य			कन्या	01:43:22	2	उ०फाल्गुनी
रेवती	2	22:36:42	मीन			चंद्र			कर्क	24:05:18	3	आश्लेषा
मूल	1	00:08:12	धनु			मंगल			तुला	03:17:30	3	चित्रा
पू०फाल्गुनी	3	21:57:01	सिंह	व	अ	बुध		अ	कन्या	06:07:18	3	उ०फाल्गुनी
उ०फाल्गुनी	4	07:48:23	कन्या		अ	गुरु			मिथु	26:33:42	2	पुनर्वसु
चित्रा	2	29:26:05	कन्या			शुक्र			सिंह	04:39:49	2	मघा
ज्येष्ठा	1	16:42:44	वृश्चि			शनि	व		मीन	04:29:47	1	उ०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	2	18:38:30	सिंह	व		राहु			कुंभ	24:08:19	2	पू०भाद्रपद
शतभिषा	4	18:38:30	कुंभ	व		केतु			सिंह	24:08:19	4	पू०फाल्गुनी
रेवती	4	29:28:01	मीन	व		मु	प		सिंह	29:57:02	1	उ०फाल्गुनी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

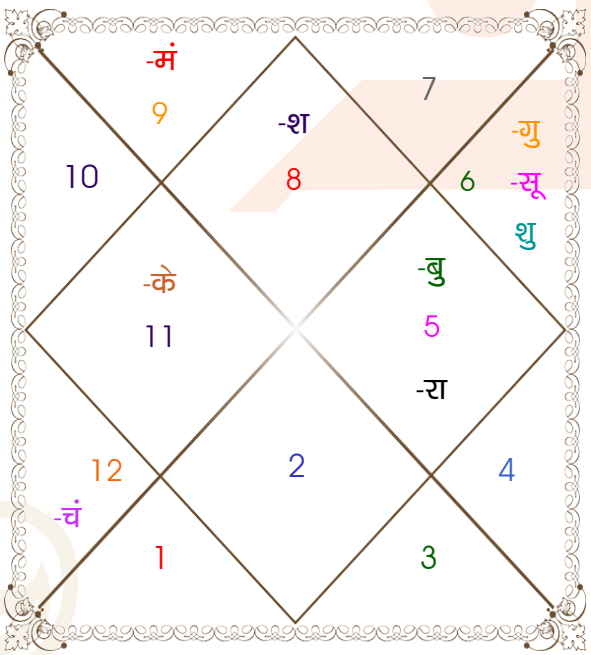

वर्ष लग्न कुंडली

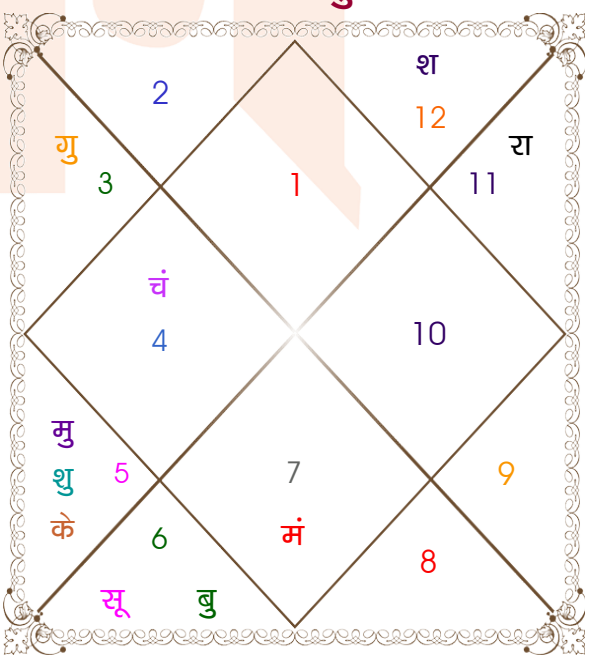

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - शनि - राहु		बुध - शनि - गुरु		केतु - केतु - केतु		केतु - केतु - शुक्र	
16/05/2025 17:53		11/10/2025 05:10		19/02/2026 07:11		27/02/2026 23:59	
11/10/2025 05:10		19/02/2026 07:11		27/02/2026 23:59		24/03/2026 20:33	
राहु	07/06/2025 20:47	गुरु	28/10/2025 16:38	केतु	19/02/2026 19:22	शुक्र	04/03/2026 03:25
गुरु	27/06/2025 12:41	शनि	18/11/2025 10:45	शुक्र	21/02/2026 06:10	सूर्य	05/03/2026 09:14
शनि	20/07/2025 21:04	बुध	07/12/2025 00:26	सूर्य	21/02/2026 16:36	चंद्र	07/03/2026 10:57
बुध	10/08/2025 18:28	केतु	14/12/2025 15:57	चंद्र	22/02/2026 10:00	मंगल	08/03/2026 21:45
केतु	19/08/2025 08:55	शुक्र	05/01/2026 12:17	मंगल	22/02/2026 22:11	राहु	12/03/2026 15:14
शुक्र	12/09/2025 22:48	सूर्य	12/01/2026 01:35	राहु	24/02/2026 05:30	गुरु	15/03/2026 22:47
सूर्य	20/09/2025 07:46	चंद्र	22/01/2026 23:46	गुरु	25/02/2026 09:20	शनि	19/03/2026 21:14
चंद्र	02/10/2025 14:42	मंगल	30/01/2026 15:17	शनि	26/02/2026 18:24	बुध	23/03/2026 09:45
मंगल	11/10/2025 05:10	राहु	19/02/2026 07:11	बुध	27/02/2026 23:59	केतु	24/03/2026 20:33

केतु - केतु - सूर्य		केतु - केतु - चंद्र		केतु - केतु - मंगल		केतु - केतु - राहु	
24/03/2026 20:33		01/04/2026 07:32		13/04/2026 17:49		22/04/2026 10:37	
01/04/2026 07:32		13/04/2026 17:49		22/04/2026 10:37		14/05/2026 19:32	
सूर्य	25/03/2026 05:30	चंद्र	02/04/2026 08:23	मंगल	14/04/2026 06:00	राहु	25/04/2026 19:09
चंद्र	25/03/2026 20:25	मंगल	03/04/2026 01:47	राहु	15/04/2026 13:19	गुरु	28/04/2026 18:45
मंगल	26/03/2026 06:52	राहु	04/04/2026 22:32	गुरु	16/04/2026 17:09	शनि	02/05/2026 07:45
राहु	27/03/2026 09:42	गुरु	06/04/2026 14:18	शनि	18/04/2026 02:13	बुध	05/05/2026 11:49
गुरु	28/03/2026 09:34	शनि	08/04/2026 13:32	बुध	19/04/2026 07:48	केतु	06/05/2026 19:08
शनि	29/03/2026 13:54	बुध	10/04/2026 07:47	केतु	19/04/2026 19:59	शुक्र	10/05/2026 12:38
बुध	30/03/2026 15:16	केतु	11/04/2026 01:11	शुक्र	21/04/2026 06:47	सूर्य	11/05/2026 15:28
केतु	31/03/2026 01:42	शुक्र	13/04/2026 02:54	सूर्य	21/04/2026 17:13	चंद्र	13/05/2026 12:13
शुक्र	01/04/2026 07:32	सूर्य	13/04/2026 17:49	चंद्र	22/04/2026 10:37	मंगल	14/05/2026 19:32

केतु - केतु - गुरु		केतु - केतु - शनि		केतु - केतु - बुध		केतु - शुक्र - शुक्र	
14/05/2026 19:32		03/06/2026 16:48		27/06/2026 07:32		18/07/2026 10:38	
03/06/2026 16:48		27/06/2026 07:32		18/07/2026 10:38		27/09/2026 11:08	
गुरु	17/05/2026 11:10	शनि	07/06/2026 10:32	बुध	30/06/2026 07:23	शुक्र	30/07/2026 06:43
शनि	20/05/2026 14:44	बुध	10/06/2026 18:49	केतु	01/07/2026 12:58	सूर्य	02/08/2026 19:56
बुध	23/05/2026 10:21	केतु	12/06/2026 03:53	शुक्र	05/07/2026 01:28	चंद्र	08/08/2026 17:59
केतु	24/05/2026 14:11	शुक्र	16/06/2026 02:20	सूर्य	06/07/2026 02:50	मंगल	12/08/2026 21:25
शुक्र	27/05/2026 21:44	सूर्य	17/06/2026 06:40	चंद्र	07/07/2026 21:05	राहु	23/08/2026 13:05
सूर्य	28/05/2026 21:36	चंद्र	19/06/2026 05:54	मंगल	09/07/2026 02:40	गुरु	02/09/2026 00:21
चंद्र	30/05/2026 13:22	मंगल	20/06/2026 14:58	राहु	12/07/2026 06:44	शनि	13/09/2026 06:14
मंगल	31/05/2026 17:12	राहु	24/06/2026 03:58	गुरु	15/07/2026 02:20	बुध	23/09/2026 07:42
राहु	03/06/2026 16:48	गुरु	27/06/2026 07:32	शनि	18/07/2026 10:38	केतु	27/09/2026 11:08

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थो को आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।